

हँकनी स्त्री. (देश.) 1. हँकने की क्रिया या भाव, हँकान 2. एक छोटी पतली छड़ी जिससे पशुओं को हँका जाता है।

हँकराना पुं. (देश.) किसी को हँकारने में प्रेरित करना।

हँकराव पुं. (देश.) 1. बुलाने या पुकारने की क्रिया या भाव 2. बुलाना, बुलाहट, बुलाना 3. नियंत्रण।

हँकवा पुं. (देश.) 1. हँकने वाला 2. ढोल या नगाड़े बजाकर जंगली जानवरों को भगाने वाला, शिकारी की दिशा में भागने को विवश करने वाला 3. मचान पर बैठे शिकारी की ओर जानवरों को जाने के लिए ढोल पीटकर भगाना, हँका।

हँकवाना स.क्रि. (देश.) किसी दूसरे से हँकने का काम कराना।

हँकवैया वि. (देश.) हँकने वाला, हँकवाने वाला।

हँका पुं. (देश.) 1. हँक, पुकार 2. ललकार।

हँकाई स्त्री (देश.) 1. हँकने की क्रिया, हँकने का भाव।

हँकार स्त्री. (तद्.) 1. जोर से पुकारने या बुलाने की क्रिया।

हँकारना अ.क्रि. (तद्.) 1. किसी व्यक्ति को जोर से आवाज देकर पुकारना, बुलाना, हँक लगाना।

हँकारा पुं. (देश.) 1. पुकार, हँक 2. निमंत्रण, बुलाहट।

हँकारी पुं. (देश.) 1. ऐसा व्यक्ति जिसे किसी को बुलवाने हेतु भेजा जाए 2. दूत, संदेश वाहक।

हँकुआ पुं. (देश.) 1. हँकवा 2. हँका।

हँथोड़ा पुं. (देश.) 1. हथौड़ा। 2. हथ-कंडा।

हँसना स.क्रि. (तद्.) 1. आनंद प्रकट करने की ऐसी क्रिया जिसमें चेहरा खिल जाता है, मुँह खुल जाता है तथा मुख से कुछ ध्वनियाँ भी निकलती हैं 2. परिहास करना, हँसी उड़ाना, दिल्लगी करना।

हँसमुख वि. (तद्.) 1. सदैव हँसता हुआ सा, प्रसन्नचित्त रहने वाला, जिसका मुख सदा खिला सा रहे 2. हँसी-मजाक की खूब बातें करने वाला। 3. हँसी मजाक की बातें सुनकर आनंदित रहने वाला, प्रसन्न रहने वाला।

हँसला पुं. (देश.) ऐसा घोड़ा जिसका शरीर मेंहदी रंग का हो तथा चारों पैर काले हों।

हँसली स्त्री. (देश.) 1. छाती से ऊपर तथा गरदन के नीचे की हड्डी, जिसको धन्वाकार रूप में पाया जाता है 2. गले में पहनने का एक आभूषण।

हँसाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी को हँसाना, हँसाने में प्रवृत्त करना। 2. ऐसी बात करना या कहना जिससे दूसरे को हँसी आ जाए।

हँसिया स्त्री. (देश.) 1. लोहे का एक धारदार औजार जो अर्धचंद्राकार होता है और जिससे फसल; साग-सब्जी एवं घास आदि को काटा जाता है 2. हाथी को नियंत्रण में रखने वाले अंकुश के आगे का वह हिस्सा जो आकार में हँसिये जैसा ही होता है 3. चमड़ा आदि छीलने के लिए प्रयोग में लाया जाने वाला लोहे का औजार।

हँसी स्त्री. (देश.) 1. हँसने की क्रिया, ध्वनि या भाव जैसे- हँसी-खुशी- प्रसन्नता पूर्वक, हँसी-ठट्टा-विनोद, मजाक मुहा. हँसी छूटना- हँसी आना 2. मजाक, खिल्ली, परिहरण, दिल्लगी, ठट्टा मुहा. हँसी उड़ाना- किसी पर व्यंग्य करना, किसी का मजाक उड़ाना, व्यंग्यात्मक तरीके से किसी की निंदा करना, उपहास उड़ाना; हँसी-खेल समझना- किसी बात या काम को हल्के में लेना, अंगभीरता से लेना, किसी कार्य को सामान्य या साधारण समझना, तुच्छ मानना; हँसी में उड़ाना- किसी बात को सुना-अनसुना करना, टालना, महत्व न देना; 3. हँसने-हँसाने के उद्देश्य से की जाने वाली चर्चा, बातें, हल्के-फुल्के मजाक।

हँसीला वि. (देश.) 1. हँसते रहने वाला, हँसता हुआ, हास्य-प्रिय 2. हँसी मजाक करने वाला, हंसोड़।